

कक्षा - 10

हिंदी (आलोक)

अध्याय – 3

नीलकंठ

[महादेवी वर्मा (1907-1987)]

भाग – 3

अभ्यास-माला

पल्लवी कलिता

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

बोध एवं विचार —

1. सही विकल्प का चयन करो —

(क) नीलकंठ पाठ में महादेवी वर्मा की कौन-सी विशेषता परिलक्षित हुई है ?

(अ) जीव-जंतुओं के प्रति प्रेम

(आ) मनुष्यों के प्रति सहानुभूति

(इ) पक्षियों के प्रति प्रेम

(ई) राष्ट्रीय पशुओं के प्रति प्रेम

(ख) महादेवी जी ने मोर-मोरनी के जोड़े के लिए कितनी कीमत चुकाई ?

(अ) पाँच रुपए

(आ) सात रुपए

(इ) तीस रुपए

(ई) पैंतीस रुपए

(ग) विदेशी महिलाओं ने नीलकंठ को क्या उपाधि दी थी ?

(अ) परफैक्ट जेंटिलमैन

(आ) किंग ऑफ द जंगल

(इ) ब्यूटीफूल बर्ड

(ई) स्वीट एंड हैंडसम परसन

(घ) महादेवी वर्मा ने अपनी पालतू बिल्ली का नाम क्या रखा था?

(अ) चित्रा

(आ) राधा

(इ) कुब्जा

(ई) कजली

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ङ) नीलकंठ और राधा की सबसे प्रिय ऋतु थी—



(अ) ग्रीष्म ऋतु

(आ) वर्षा ऋतु

(इ) शीत ऋतु

(ई) वसंत ऋतु

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

2. अति संक्षिप्त उत्तर दो (लगभग 25 शब्दों में)—

(क) मोर-मोरनी के जोड़े को लेकर घर पहुँचने पर सब लोग महादेवी जी से क्या कहने लगे ?

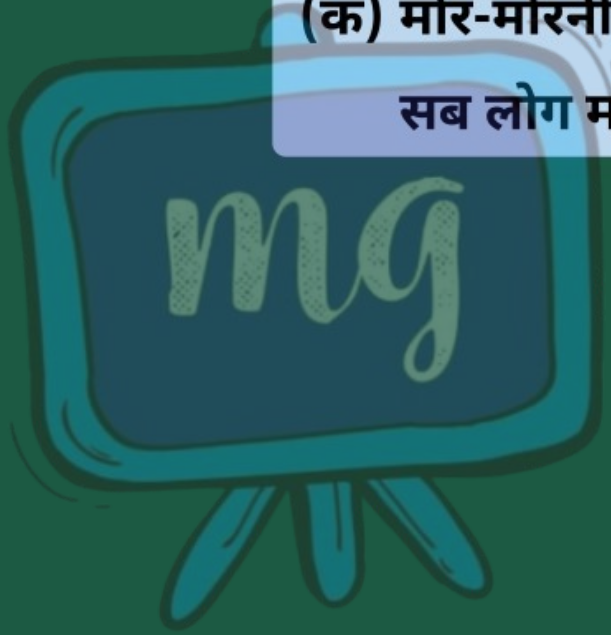

2. अति संक्षिप्त उत्तर दो (लगभग 25 शब्दों में)—

(क) मोर-मोरनी के जोड़े को लेकर घर पहुँचने पर सब लोग महादेवी जी से क्या कहने लगे ?

उत्तर : मोर-मोरनी के जोड़े को लेकर घर पहुँचने पर सब लोग महादेवी जी को कहने लगे, "तीतर है, मोर कहकर ठग लिया है"।

(ख) महादेवी जी के अनुसार नीलकंठ को कैसा वृक्ष अधिक भाता था?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ख) महादेवी जी के अनुसार नीलकंठ को कैसा वृक्ष अधिक भाता था?

उत्तर : महादेवी जी के अनुसार नीलकंठ को फलों के वृक्षों से अधिक पुष्पित और पल्लवित वृक्ष भाता था। इन वृक्षों में से मंजरियों से लदे आम के वृक्ष तथा नए पत्तों से ढके अशोक के वृक्ष का नाम उल्लेखनीय है।

(ग) नीलकंठ को राधा और कुब्जा में किसे अधिक प्यार था और क्यों ?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ग) नीलकंठ को राधा और कुब्जा में किसे अधिक प्यार था और क्यों ?

उत्तर : नीलकंठ को राधा से अधिक प्यार था। क्योंकि राधा बिल्कुल शांत स्वाभाव की थी और उसके पास नीलकंठ की सहचारिणी होने का अधिक गुण था । कुब्जा बहुत झगड़ालू प्रकृति की थी, इसलिए नीलकंठ का उसके प्रति प्यार कम था ।

(घ) मृत्यु के बाद नीलकंठ का संस्कार महादेवी जी ने कैसे किया?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(घ) मृत्यु के बाद नीलकंठ का संस्कार महादेवी जी ने कैसे किया?

उत्तर : मृत्यु के बाद महादेवी जी नीलकंठ के देह को अपने शाल में लपेटकर संगम ले गई और उसे गंगा की बीच धारा में प्रवाहित कर दिया।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

3. संक्षेप में उत्तर दो (लगभग 50 शब्दों में) —

(क) बड़े मियाँ ने मोर के बच्चे दूसरों को न देकर महादेवी जी को ही क्यों देना चाहता था?

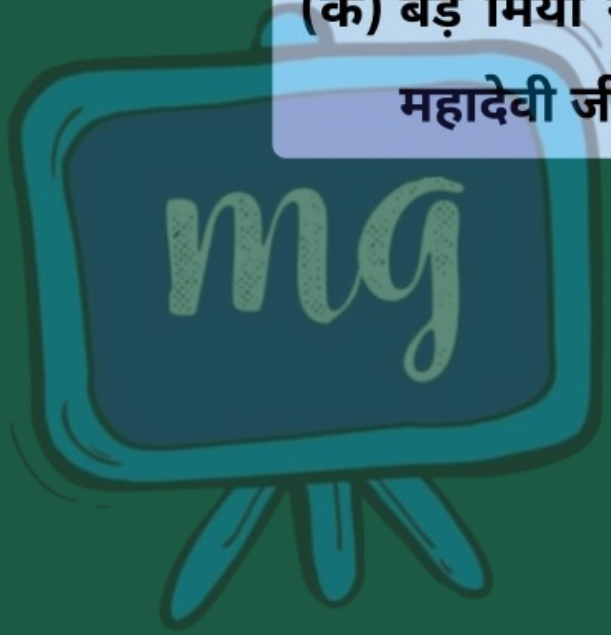

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

3. संक्षेप में उत्तर दो (लगभग 50 शब्दों में) —

(क) बड़े मियाँ ने मोर के बच्चे दूसरों को न देकर महादेवी जी को ही क्यों देना चाहता था?

उत्तर : बड़े मियाँ चिड़ियाँ बेचने वाले दुकानदार थे। महादेवी जी को पशु-पक्षियों से बहुत प्रेम था। इसलिए जब बड़े मियाँ के पास मोर के दो बच्चे आये, तब उन्हें लेखिका का ही ख्याल आया और उन्हें ही मोर के बच्चे देना चाहा। दूसरी वजह यह थी कि दूसरे लोग भी मोर के बच्चों को खरीदने को तैयार था, लेकिन पालने के लिए नहीं बल्कि मोर के पंजों से दवाई बनाने के लिए,

जो बड़े मियाँ नहीं चाहते थे। इन्हीं दो कारणों से बड़े मियाँ ने लेखिका को ही मोर के बच्चे देने का निश्चय किया।



(ख) महादेवी जी ने मोर और मोरनी के क्या नाम रखे और क्यों?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ख) महादेवी जी ने मोर और मोरनी के क्या नाम रखे और क्यों?

उत्तर : महादेवी जी ने मोर और मोरनी के नाम नीलकंठ और राधा रखा ।

नीलाभ ग्रीवा के कारण मोर का नाम रखा गया नीलकंठ और उसकी छाया के समान रहने के कारण मोरनी का नामकरण हुआ राधा।

(ग) लेखिका के अनुसार कार्तिकेय ने मयूर को अपना वाहन क्यों चुना होगा? मयूर की विशेषताओं के आधार पर उत्तर दो।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ग) लेखिका के अनुसार कार्तिकेय ने मयूर को अपना वाहन क्यों चुना होगा? मयूर की विशेषताओं के आधार पर उत्तर दो।

उत्तर : शिवपुत्र कार्तिकेय देवताओं के सेनापति थे । उन्होंने युद्ध-वाहन के रुप में मयूर को चुना था । लेखिका के अनुसार कार्तिकेय के मयूर को चुनने के पीछे यह कारण रहा होगा कि मयूर कलाप्रिय एवं वीर पक्षी है। वह ज़रूरत पड़ने से वीरता एवं साहस का परिचय देता है और अपना युद्ध कौशल भी दिखाता है

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

उसे बाज, चील आदि के साथ तुलना नहीं किया जा सकता,
जिनका जीवन ही क्रूर कर्म है
मयूर वाहन बनने के लिए उपयुक्त है।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(घ) नीलकंठ के रूप-रंग का वर्णन अपने शब्दों में करो। इस दृष्टि से राधा कहाँ तक भिन्न थी?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(घ) नीलकंठ के रूप-रंग का वर्णन अपने शब्दों में करो। इस दृष्टि से राधा कहाँ तक भिन्न थी?

उत्तर : नीलकंठ बहुत सुन्दर मोर है । उसके सिर की कलगी सघन, उँची तथा चमकीली हो गई। चोंच अधिक बंकिम और पैनी ही गई, गोल आँखो में इंद्रनील की नीलाभ द्युति झलकने लगी। लंबी नील-हरित ग्रीवा की हर भंगिमा में छूपछाँही तरंगे उठने-गिरने लगी दक्षिण-वाम दोनों पंखों में सलेटी और सफेद आलेखन स्पष्ट होने लगी । लंबी पूँछ ,रंग-बिरंगे पंख उसके सौन्दर्य को और निखार देते थे ।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

इस दृष्टि से राधा नीलकंठ से थोड़ी भिन्न थी। उसकी कलगी उतनी सघन नहीं थी, जितना कि नीलकंठ की। उसके पंखों में काले-सफेद रंगों की पत्रलेखा थी। नीलकंठ के पैरों की तेज गति के विपरीत उसकी गति धीमी थी।



(ङ) बारिश में भींगकर नृत्य करने के बाद नीलकंठ और राधा पंखों को कैसे सूखाते ?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ङ) बारिश में भींगकर नृत्य करने के बाद नीलकंठ और राधा पंखों को कैसे सूखाते ?

उत्तर : बारिश में भींगकर नृत्य करने के बाद नीलकंठ और राधा अपने दाहिने पंजे पर दाहिना पंख और बाएँ पर बाया पंख फैलाकर सुखाता था। कभी कभी वे दोनों एक दूसरे के पंखी से टपकने वाली बूँदों को चोंच से पी-पी कर पंख का गीलापन दूर करते रहते।

(च) नीलकंठ और राधा के नृत्य का वर्णन अपने शब्दों में करो।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(च) नीलकंठ और राधा के नृत्य का वर्णन अपने शब्दों में करो।

उत्तर : नीलकंठ और राधा के सबसे प्रिय ऋतु वर्षा थी। मेघों के उमड़ आने से पहले ही वे हवा में उसकी सजल आहट पा लेते थे। मेघ के गर्जन के ताल पर ही उसके तन्मय नृत्य का आरंभ होता और फिर मेघ जितना अधिक गरजता, बिजली जितनी अधिक चमकती, बूँदो की रिम झिमाहट जितनी तीव्र होती जाती, नीलकंठ के नृत्य का वेग उतना ही अधिक बढ़ता जाता।

(छ) वसंत ऋतु में नीलकंठ के लिए जालीघर में बंद रहना असहनीय हो जाता था, क्यों?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(छ) वसंत ऋतु में नीलकंठ के लिए जालीघर में बंद रहना असहनीय हो जाता था, क्यों?

उत्तर : वसंत ऋतु में वृक्षों में नये-नये पत्ते निकलते हैं, डालियों से कली खिलने लगती है। आम के वृक्ष सुनहली मंजरियों से लद जाते हैं, अशोक के वृक्ष लाल पल्लवों से ढँक जाते हैं। नीलकंठ को वैसे पुष्पित और पल्लवित वृक्ष अधिक आकर्षित करते हैं। इसलिए इस ऋतु में नीलकंठ के लिए जालीघर में बंद रहना असहनीय हो जाता था।

(ज) जाली के बड़े घर में रहनेवाले वाले जीव-जंतुओं के आचरण का वर्णन करो।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ज) जाली के बड़े घर में रहनेवाले वाले जीव-जंतुओं के आचरण का वर्णन करो।

उत्तर : नीलकंठ ने अपने-आप को बहुत शीघ्र ही चिड़ियाघर के निवासी जीव-जंतुओं के सेनापति और संरक्षक नियुक्त कर लिया। सबेरे ही वह सब खरगोश, कबूतर आदि की सेना एकत्र कर उस ओर ले जाता जहाँ दाना दिया जाता था। खरगोश के छोटे-छोटे बच्चों के साथ भी खेलता था । उनके कान पकड़कर उठाता था। सभी जीव-जन्तुएँ नीलकंठ के पंख के साथ खेलता था । इस प्रकार हमें ज्ञात होता है कि जाली घर में रहने वाले जीव जन्तुओं का आचरण बहुत ही सुन्दर था।

(झ) नीलकंठ ने खरगोश के बच्चे को साँप के चंगुल से किस तरह बचाया ?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(झ) नीलकंठ ने खरगोश के बच्चे को साँप के चंगुल से किस तरह बचाया ?

उत्तर : नीलकंठ दूर ऊपर झूले में सो रहा था जब साँप आया। उसी के चौकन्ने कानों ने उस मंद स्वर की व्यथा पहचानी और वह पूँछ-पंख समेटकर सर से एक झपट्टे में नीचे आ गया।

उसने साँप को फन के पास पंजों से दबाया और फिर चोंच से इतने प्रहार किए कि वह अधमरा हो गया। पकड़ ढीली पड़ते ही खरगोश का बच्चा मुख से निकल आया। इसी प्रकार नीलकंठ ने खरगोश के बच्चे को साँप के चंगुल से बचाया।

(ञ) लेखिका को नीलकंठ की कौन-कौन सी चेष्टाएँ बहुत भाती थीं?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca Foundation

(ञ) लेखिका को नीलकंठ की कौन-कौन सी चेष्टाएँ बहुत भाती थीं?

उत्तर : लेखिका महादेवी वर्मा को नीलकंठ के कुछ विशेष रुप और स्वभाव ने आकृष्ट किया था। इनमें से चिड़ियाघर के निवासी जीव-जन्तुओं का सेनापति और संरक्षक बनना, खरगोश, कबूतर आदि की सेना को एकत्र कर उन्हें लक्ष्य तक पहुँचाना, दंड देने के समान प्रेम रखना, पंखों का सतरंगी मंडलाकार छाता तानकर नियमित रूप से नृत्य की भंगिमा में खड़ा हो जाना, लेखिका के हथेली पर से भुने चने को नुकीली पैनी चोंच द्वारा कोमलता से उठाकर खाना आदि उल्लेखनीय है।